उद्यमिता विकास हैन्ड बुक

Entrepreneurship Development Hand Book

ओ.पी. हरकुट
जी.पी. वैष्णव

SCIENTIFIC PUBLISHERS

उद्यमिता विकास हैन्ड बुक

पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार अन्य उपयोगी पुस्तकें

- औद्योगिक प्रबन्ध एवं उद्यमिता — *वी.के.शर्मा एवं ओ.पी. हरकुट*
- इस्पात लकड़ी एवं चिनाई की संरचनाएँ — *रामचन्द्र*
- पदार्थों की सामर्थ्य – II — *एन.मनवानी एवं एम. मनवानी*
- लिमिट स्टेट डीजाइन विधि से कांक्रीट संरचनाओं की रचना — *रामचन्द्र*
- द्रव शक्ति एवं स्नेहन — *अनिल अग्रवाल*
- प्रबन्ध एवं उद्यमिता — *वी.के. शर्मा एवं ओ.पी. हरकुट*
- अन्तरर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र — *के.डी. स्वामी*
- पर्यावरण अवबोध — *डी.डी. ओझा*
- Fluid Power and Tribology — *Anil Agarwal*
- Design of Steel Structures-1 — *Ramchandra*
- Design of Steel Structures - 2 — *Ramchandra*

उद्यमिता विकास हैन्ड बुक

HAND BOOK ON ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT

द्वितीय संस्करण

लेखक

ओ.पी. हरकुट

विभागाध्यक्ष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग (सेवानिवृत)
राजकीय रामचन्द्र खेतान पॉलिटेक्निक कॉलेज, जयपुर

व

जी.पी. वैष्णव

सहायक प्रबन्धक
राजस्थान वित्त निगम, जयपुर

SCIENTIFIC PUBLISHERS

प्रकाशक
साईन्टिफिक पब्लिशर्स (इंडिया)
5–ए, न्यू पाली रोड़, पो.बॉ. नं. 91
जोधपुर – 342 001
Tel.: 91-291-2433323,
Fax: +91-291-2613449
E-mail: info@scientificpub.com
www.scientificpub.com

ISBN: 978-81-7233-589-2
eISBN: 978-93-8774-177-5

© सर्वाधिकार लेखक द्वारा सुरक्षित

पुर्नमुद्रित, 2011
द्वितीय संस्करण, 1995
प्रथम संस्करण, 1993

(इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना माइक्रो फिल्म, फोटोस्टेट या अन्य किसी भी प्रकार से प्रकाशित नहीं किया जा सकता है)

लेजर टाईपसेट – राजेश औझा

भारत में मुद्रित

प्रस्तावना
द्वितीय संस्करण के सम्बन्ध में

उद्यमिता विकास हैन्ड बुक के प्रथम संस्करण को उद्यमियों एवं छात्रों की ओर से जो प्रोत्साहन मिला उससे हमारे उत्साह में जो वृद्धि हुई, इसके फलस्वरुप यह द्वितीय संशोधित संस्करण पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है।

प्रस्तुत संस्करण में उद्योगों के सहायतार्थ विभिन्न संगठनों तथा उद्योगों के वित्तीय स्रोतों के बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। साथ ही श्रम विधायनों तथा कर प्रणाली से सम्बन्धित अभी तक हुए संशोधन भी सम्मिलित किये गये है। लघु उद्योगों से सम्बन्धित नवीनतम जानकारी भी प्रस्तुत संस्करण में दी गई है।

प्रस्तुत संस्करण में जहां भी विभिन्न प्रकार के ऋणों पर विभिन्न संस्थानों द्वारा ली जा रही ब्याज दर दर्शाई गई हैं, वह वर्तमान में प्रचलित दरें हैं। इनमें समय–समय पर भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार परिवर्तन होता रहता है। अतः ऋण लेते समय उस पर लगने वाली ब्याज दर की जानकारी सम्बन्धित संगठन से ज्ञात कर लेनी चाहिए।

इस पुस्तक में सुधार के लिए पाठकों के जो सुझाव प्राप्त हुए हैं तथा अध्ययनरत एवं कार्यरत उद्यमियों ने इस पुस्तक के प्रकाशन की जो सराहना की है, हम उन सभी महानुभावों का हृदय से आभार प्रदर्शित करते हैं।

लेखकगण

प्रस्तावना
प्रथम संस्करण के सम्बन्ध में

ऐसा कोई इंजीनियर अथवा अन्य व्यक्ति शायद ही होगा जो अपना स्वयं का उद्योग लगाकर उद्योगपति न कहलाना चाहता हो। इस प्रतियोगी युग में भारत जैसे विशाल देश में जहाँ रोजगार हेतु पदों की उपलब्धता बहुत ही सीमित है, वहाँ रोजगार का सर्वोपरि साधन स्व–रोजगार है तथा उद्यमिता स्व–रोजगार की सर्वोत्तम सीमा है। उद्यमिता पैतृक उपलब्धता नहीं है और न ही जाति या धर्म पर निर्भर करती है। अपितु यह मानव के मानसिक व बौद्धिक स्तर पर निर्भर करती है। अतः मानव में उद्यमिता का विकास प्रशिक्षण, प्रेरणा तथा मार्गदर्शन द्वारा किया जा सकता है। स्व–रोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर नीति अपनाई गई एवं राज्य स्तर पर अनेक संस्थाएँ/संगठन उद्यमियों के सहायतार्थ कार्यरत हैं ताकि उन्हें हर स्तर से उचित मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।

उद्यमिता विकास एवं उद्योग लगाने के लिए जिन–जिन विषयों के बारे में जानकारी आवश्यक है जैसे सरकार की औद्योगिक नीति, सहायतार्थ विभिन्न संस्थाएं/संगठन, बाजार सर्वेक्षण तथा अनुसंधान, उत्पाद चयन, स्थान का चयन, विभिन्न वित्तीय स्रोत, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, कच्चा माल प्रबन्ध, विपणन सुविधायें, अनुबन्ध, वित्तीय तथा लागत लेखांकन, कर तथा बीमा, श्रमिक संघ एवं विभिन्न श्रम अधिनियम आदि संबंधित विषयों के बारे में जानकारी इस पुस्तक में बहुत ही सरल व सारगर्भित रुप में देने का प्रयास किया गया है ताकि उद्यमी को उद्योग लगाने सम्बन्धी अधिकाधिक जानकारी एक स्रोत से उपलब्ध हो सके।

हम उन सभी महानुभावों का हृदय से आभार प्रदर्शित करते हैं जिन्होंने इस पुस्तक को इस रूप में प्रस्तुत करने में सहयोग तथा उपयोगी सुझाव प्रदान किये है।

उद्यमिता विकास हेतु इस पुस्तक में सुधार के लिए पाठकों के सुझावों के लिए लेखक उनके अत्यन्त आभारी रहेंगे।

ओ॰पी॰ हरकुट
जी॰पी॰ वैष्णव

विषय सूची
(CONTENTS)

1. उद्यमिता एवं उद्योग (Entrepreneurship & Industries) **1**

1.1 प्रस्तावना 1
1.2 उद्यमिता 1
1.3 उद्यमी 2
1.4 अच्छे उद्यमी के आवश्यक लक्षण 2
1.5 स्व–रोजगार एवं अवसर 3
1.6 उद्योग 4
1.7 उद्योगों का वर्गीकरण 5
1.8 लघु उद्योग तथा सहायक उद्योग 7
1.9 लघु उद्योगों को मिलने वाली सुविधाएं 8
1.10 राज्य सरकार की निवेश अनुदान योजना 9
1.11 लघु उद्योग क्षेत्र के लिए उत्पादों का आरक्षण 10

2. औद्योगिक नीति (Industrial Policy) **12**

2.1 प्रस्तावना 12
2.2 औद्योगिक नीति का महत्व 12
2.3 स्वतंत्रता पूर्व की औद्योगिक नीति 13
2.4 स्वतंत्र भारत की औद्योगिक नीतियां 13
2.5 नई औद्योगिक नीति 15
2.6 विदेशी निवेश व प्रौद्योगिकी 16
2.7 एम॰आर॰टी॰पी॰ अधिनियम 16
2.8 उद्योगों की सूची जिनके लिए औद्योगिक लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा 17

2.9 सरकारी क्षेत्र के लिए आरक्षित उद्योगों की सूची 18

2.10 विदेशी प्रौद्योगिकी समझौतों के स्वतः अनुमोदन और 51% विदेशी इक्विटी अनुमोदनों के लिए उद्योगों की सूची 18

3. उद्योगों के सहायतार्थ संगठन (Entrepreneurial Support Indstitutions) 20

3.1 केन्द्रीय स्तर के संगठन (Central Level Organisations) 20

3.1.1 अखिल भारतीय लघु उद्योग बोर्ड (A.I.S.I.B.) 21

3.1.2 लघु उद्योग एवं कृषि तथा ग्रामीण उद्योग विभाग (SSI & ARI) 22

3.1.3 लघु उद्योग विकास संगठन (S.I.D.O.) 22

3.1.4 लघु उद्योग सेवा संस्थान (S.I.S.I.) 25

3.1.5 राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (N.S.I.C.) 27

3.1.6 मुख्य नियंत्रक आयात व निर्यात (C.C.I.E.) 30

3.1.7 भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड (S.T.C.) 30

3.1.8 भारतीय खनिज व धातु व्यापार निगम (M.M.T.C.) 32

3.1.9 राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास निगम (N.R.D.C.) 33

3.1.10 आविष्कार प्रोत्साहन बोर्ड (I.P.B.) 34

3.1.11 राष्ट्रीय लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (N.I.S.I.E.T.) 34

3.1.12 राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (N.I.E.S.B.D.) 35

3.1.13 एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल (E.P.C.) 36

3.1.14 निर्यात ऋण गारंटी निगम (E.C.G.C.) 37

3.1.15 राष्ट्रीयकृत, वाणिज्यिक तथा सहकारी बैंक (N.C.C.B.) 38

3.1.16 भारतीय लघु उद्योग मंडल संघ (F.A.S. S.I.S.) 38

3.1.17 खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (K.V.IC.) 39

3.1.18 अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड (A.I.H.B.) 46

3.2 राज्य स्तर के संगठन (State Level Organisations) 49

3.2.1 राजस्थान लघु उद्योग मंडल (R.S.I.B) 49

3.2.2 राज्य लघु उद्योग निगम (R.S.I.C.) 50

3.2.3 उद्योग निदेशालय व जिला उद्योग केन्द्र (D.I. & D.I.C.) 51

3.2.4 राज्य वित्त निगम (S.F.C./R/F/C.) 53

3.2.5 राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम (R.S.M.D.C.) 54

3.2.6 राज्य विद्युत मंडल (R.S.E.B.) 55

3.2.7 प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण मंडल (P.P.C.B.) 57

3.2.8 राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (R.K.B.I.B.) 60

3.2.9 राजस्थान हाथकर्घा विकास निगम (R.H.D.C.) 62

3.2.10 राजस्थान कंसल्टेन्सी ऑर्गनाइजेशन लिमिटेड (RAJCON) 62

3.2.11 राज्य में उद्योगों को रियायतें तथा सुविधायें (C.F.I.R.) 65

3.3 अनुसंधान, परीक्षण एवं मानक संगठन/संस्थान (Research, Testing & Standard Organisations/Institutions) 66

3.3.1 राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं एवं संस्थान (N.R.L.I.) 66

3.3.2 राष्ट्रीय परीक्षण गृह (N.T.H.) 67

3.3.3 भारतीय मानक ब्यूरो (B.I.S.) 67

3.3.4 आई.एस.ओ. (ISO) 73

3.3.5 लघु उद्योग इकाईयों द्वारा आई.एस.ओ. 9000 श्रेणी प्रमाणन प्राप्त करने हेतु 78

4. उद्यमिता विकास (Entrepreneural Development) 80

4.1 प्रस्तावना 80

4.2 उत्पाद का चयन 80

4.3 स्थान चयन 83

4.4 प्लांट ले–आउट 86

4.5 प्रोजेक्ट प्रोफाइल 88

4.6 योजनाबद्ध विकास एवं समन्वित प्रयास 89

4.7 अनुसरण 90

4.8 संस्थागत सहायता की आवश्यकता 91

4.9 Model Project Reports 93

4.9.1 Project Profile on T.V. Antina 93

4.9.2 Project Profile on Computerized Wheel Aligning System 95

4.9.3 Project Profile on Manufacturing of hacksaw Blades 96

4.9.4 Project Profile on Manufacturing of Stone chips 98

4.9.5 Project Profile on Manufacturing of Phenyl 99

5. बाजार सर्वेक्षण व अनुसंधान (Market Survey & Research) 102

5.1 प्रस्तावना 102

5.2 बाजार सर्वेक्षण व अनुसंधान के विभिन्न चरण 102

5.3 मांग विश्लेषण 103

5.4 अनुपूरक सूचना एकत्रिकरण 104

5.5 सर्वेक्षण 105

5.6 मांग पूर्वानुमान 105

5.7 अनिश्चिताओं का आंकलन 106

5.8 बाजार सर्वेक्षण के मुख्य बिन्दु 106

5.9 बाजार सर्वेक्षण प्रश्नावली 107

6. उद्योग प्रारम्भ करने का तरीका (How to Start an Industry) 110

6.1 उत्पाद चयन 111

6.2 स्थान चयन 111

6.3 प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना 111

6.4 संगठन की संरचना 112

6.5 पंजीकरण 112

6.6 पूंजी स्रोत के साधान 115

6.7 भूमि आवंटन, क्रयण एवं रूपान्तरण 115

6.8 भवन निर्माण 117

6.9 मशीनरी चयन, खरीद एवं स्थापन 117

6.10 विद्युत एवं जल व्यवस्था 118

6.11 कार्मिक व्यवस्था 118

6.12 कच्चा माल क्रयण 118

6.13 उत्पादन 119

6.14 विपणन 119

7. उद्योगों के वित्तीय स्रोत (Financial Resources for Industries) 120

7.1 अखिल भारतीय अथवा केन्द्रीय वित्तीय संस्थाएँ (All India or Central Financial Institutions) 120

7.1.1 भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (I.F.C.I.) 122

7.1.2 भारतीय औद्योगिक ऋण एवं निवेश निगम (I.C.I.C.I.) 124

7.1.3 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (I.D.B.I.) 125

7.1.4 भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (S.I.D.B.I.) 127

7.1.5 भारतीय औद्योगिक पुनः निर्माण बैंक (I.R.B.I.) 128

7.1.6 भारतीय निर्यात आयात बैंक (EXIM BANK) 129

7.1.7 कृषि एवं ग्रामीण विकास राष्ट्रीय बैंक (NABARD) 130

7.1.8 राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम की वित्तीय योजनाएँ (N.S.I.C.) 131

7.1.9 अन्य अखिल भारतीय संस्थाएँ 136

(i) रिस्क केपिटल फाउंडेशन (R.C.F.) 136

(ii) भारतीय साधारण बीमा निगम (G.I.C.) 136

(iii) भारतीय जीवन बीमा निगम (L.I.C.) 137

(iv) भारतीय यूनिट ट्रस्ट (U.T.I.) 137

7.2 विदेशी वित्तीय संस्थाएं (Foreign Financil Institutions) 138

7.2.1 अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (I.F.C.) 138

7.2.2 तेल निर्यातक विकासशील देशों द्वारा निवेश (O.E.D.) 139

7.2.3 एशियन विकास बैंक (A.D.B.) 139

7.3 राज्य स्तरीय वित्तीय संस्थाएं (State Level Financial Institutions) 139

7.3.1 राज्य वित्त निगम द्वारा ऋण 139

राज्य वित्त निगमों की ऋण योजनाएँ 139

राज्य वित्त निगम की अन्य ऋण योजनाएँ 148

(i) सावधि ऋण योजना 148

(ii) सुगम ऋण योजना 150

(iii) कार्यशील पूंजी ऋण 150

(iv) अमानत राशि सहायता 151

(v) ग्रामीण दस्ताकारों तथा शिल्पकारों के लिए वित्त पोषण योजना 151

7.3.2 राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO) द्वारा ऋण 154

7.3.3 बैंकों द्वारा ऋण 156

7.3.4 खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा ॠण 158

8. प्रोजेक्ट रिपोर्ट (Project Report) 161

8.1 प्रस्तावना 161

8.2 प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना 161

8.3 प्रोजेक्ट रिपोर्ट का प्रारूप 175

8.4 Project Report to manufacture Steel Furniture 183

8.5 Project Report to manufacture Garlic Powder 188

8.6 Project Report to manufacture Electrically Tuned Multi-Channel Booster 191

8.7 Project Report for manufacturing of Zinc Sulphate 195

8.8 Project Report for manufacturing of Cement Concrete Blocks 199

8.9 Project Report for manufacturing of PVC Wires 202

8.10 Project Report for costume Design and to manufacture Readymade Garments 208

9. कच्चा माल प्रबन्ध (Raw Material Management) 213

9.1 प्रस्तावना 213

9.2 कच्चा माल स्रोत 213

9.3 सरकारी डिपो 214

9.4 लोहा व स्टील का आवंटन 214

9.5 कोयला एवं कोक का आवंटन 214

9.6 स्वदेशी कच्चे माल का आवंटन 215

9.7 राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम द्वारा कच्चे माल की आपूर्ति 215

9.8 आयातित कच्चे माल का आवंटन 217

9.9 आवेदन 217

10. विपणन सुविधाएँ (Marketing Facilities) 219

10.1 प्रस्तावना 219

10.2 केन्द्रीय सरकार भण्डार क्रय कार्यक्रम/सार्वजनिक क्रय (D.G.S. & D.) 219

10.3 केन्द्रीय भंडार क्रय संगठन (C.S.P.O) 223

10.4 राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम का विपणन सहायता कार्यक्रम 223

10.5 अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड का विपणन सहायता कार्यक्रम 226

10.6 प्रदर्शनियों तथा मेलों के आयोजनों में भाग लेना 228

10.7 राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम की निर्यात सहायता 229

10.8 किस्म के प्रति जागरूकता एवं विक्रय पर प्रभाव 231

11. अनुबन्ध एवं निविदा (Contracts and Tenders) 232

11.1 प्रस्तावना 232

11.2 अनुबन्ध की आवश्यकता 232

11.3 मान्य अनुबन्ध 233

11.4 अनुबन्ध के प्रकार 233

11.5 अनुबन्ध की शर्तें एवं निगमन 236

11.6 अनुबन्ध विच्छेद के प्रतिकार 237

11.7 विभागीय कार्यप्रणाली 238

11.8 निविदा की आवश्यकता 238

11.9 निविदा के प्रकार 238

11.10 निविदा प्रक्रिया 240

11.11 निविदा प्रपत्र 240

11.12 निविदा सूचना 241

11.13 मुहरबंद निविदा 247

11.14 धरोहर राशि 247
11.15 प्रतिभूति राशि 248
11.16 निविदा खोलना 249
11.17 निविदा प्रस्तावों की सुरक्षा 249
11.18 तुलनात्मक प्रपत्र 249
11.19 निविदा जांच एवं स्वीकृति 251
11.20 कार्य आदेश तथा अनुबन्ध 251

12. लेखांकन पद्धतियां (Accounting Systems) 253

12.1 प्रस्तावना 253
12.2 लेखांकन 253
12.3 लेखांकन की शाखायें 254
12.4 वित्तीय लेखांकन 254
12.5 बहीखाता की विधियां 256
12.6 लेखे की पुस्तकें 258
(i) जर्नल या रोजनामचा 258
(ii) खाताबही या लेजर 261
12.7 तलपट 263
12.8 वार्षिक अन्तिम खाते 264
12.9 लागत लेखांकन 272
12.10 लागत लेखांकन के उद्देश्य 275
12.11 लागत के तत्व 276
12.12 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लागत 277
12.13 कुल लागत के विभिन्न अंग 280

13. कर प्रणाली तथा बीमा (Tax System and Insurance) 284

13.1 आयकर 284
13.1.1 व्यक्तिगत कर 284
13.1.2 निकाय कर व व्यापार अथवा पेशे पर कर 288
13.2 दानकर 290

13.3 सम्पत्ति कर 290

13.4 बिक्री कर 290

13.5 उत्पादन शुल्क 293

13.6 सीमा शुल्क 294

13.7 औद्योगिक तथा अग्नि बीमा 294

14. श्रम-विधायन या औद्योगिक अधिनियम (Labour Legislation or Industrial Legislation) 297

14.1 प्रस्तावना 297

14.2 श्रम अधिनियमों की उद्योग में आवश्यकता 297

14.3 फैक्टरी अधिनियम, 1948 298

14.4 श्रमिक क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923 310

14.5 मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936 314

14.6 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 317

14.7 भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 324

14.8 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 326

14.9 भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 एवम् भारतीय विद्युत नियम, 1956 328

14.9A भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 328

14.9B भारतीय विद्युत नियम, 1956 329

14.10 शिक्षु अधिनियम, 1961 332

14.11 मृत्युजनक दुर्घटना अधिनियम, 1855 333

15. श्रमिक संघ (Trade Unions) 335

15.1 श्रम संघ की परिभाषा 335

15.2 भारतीय श्रम संघ अधिनियम, 1926 336

15.3 श्रम संघों के मूल उद्देश्य 336

15.4 श्रम संघों के लाभ 337

15.5 श्रम संघों से हानियाँ 338

15.6 भारतीय श्रम संघ की वर्तमान स्थिति 339

15.7 भारतीय श्रम संघ आन्दोलन की समस्याएं, कठिनाइयां व दोष 341

15.8 भारत में श्रम संघ आन्दोलन को दृढ़ बनाने के लिए सुझाव 343

ANNEXURES **348**

I. List of Items Reserved for Exclusive Manufacture in small Scale Sector 348

II. Entrepreneurial support Organisations : Addresses of 1. Central Level Organisations 379

2. State Level Organisations 380

III. Addresses of small Industries Service Institute, Branch SISIS and FTSs/PPDCs 381

IV. Addresses of NCIC Offices 387

V. Addresses of Financial Institutions 390